Prophet Adam

Because God is loving and giving, he wanted a close relationship with creatures who could choose to love him. So he created Adam and Eve, gave them the gift of choice, and put them in paradise.

Adam and Eve chose to disobey God by eating forbidden fruit. For this one act of disobedience, they were judged, punished and sent out of paradise.

People were created for paradise. We are not truly happy on earth because it is filled with problems and evil.

God wants us in paradise with him;
but he judged and punished Adam,
so he will judge and punish us.

नबी हज़रत आदम

नबी हज़रात आदम क्यूंकि महब्बत करने वाला और देने वाला है ,वह तख़लीक़ के साथ एक नज़दीकी रिफ़ाक़त चाहता था जो कि उससे महब्बत करना चाहे । सो उसने आदम और हव्वा को बनाया, और उन्हें चुनने क इनाम दिया, और उन्हें जन्नत में रखा ।

आदम और हव्वा ने मना किये हुए फल को खाने के ज़रिये ख़ुदा की नाफ़रमानी को चुना । इस एक नाफ़रमानी के अमल के लिए वह इन्साफ़ किये गए, सज़ा दिए गए, और जननत से बाहर किये गए ।

लोगों को जन्नत के लिए पैदा किया गया था । हम ज़मीन पर सच मुच खुश इसलिए खुश नहीं हैं क्यूंकि यह तरह तरह के परेशानियों और बुराइयों से भरी है ।

ख़ुदा हांको उसके साथ जन्नत में देखना चाहता है;

मगर उसने आदम का इनसाफ़ किया था और उसे सज़ा दी थी, वह हमारा भी इनसाफ़ करेगा और हमको सज़ा देगा ।

Prophet Abraham

Prophet Abraham was called the "Friend of God". He was so submitted to God that when God asked him to sacrifice his son, he was willing to do so.

But just as Abraham was about to put the knife into his son, God sent a substitute, a lamb, and "ransomed him with a tremendous sacrifice". This is what is celebrated at "Eid al Adha".

Although God may ask for a sacrifice,
he provides a substitute.

नबी हज़रत इब्राहीम

नबी हज़रत इब्रहीम "ख़ुदा के दोस्त" कहलाये थे । वह ख़ुदा के लिए बहुत ज़ियादा सौंपे गये थे कि ख़ुदा ने जब उसने कहा कि अपने बेटे को कुरबान करे तो वह ऐसा करने को तय्यार हो गया ।

मगर जैसे ही हज़रत इब्राहीम अपने बेटे के गले पर छुरी चलाने को थे ख़ुदा ने एक बदल बतोर एक बररे को भेजा और "एक होलनाक क़ुरबानी के साथ उसका कफ़्फ़ारा दिया"। इसी को हम "ईदुल-अज़हा" के नाम से मनाते हैं ।

हालंकि ख़ुदा एक क़ुरबानी की मांग कर सकता है मगर वह एक बदल का भी इन्तज़ाम भी करता है ।

We Receive It!

To receive God's way of mercy, confess your sins and believe God took your place through Jesus.

Your New Life with God then starts - pray and read the Bible daily, fellowship with others who believe Jesus is the Savior, love everyone, and share the good news of forgiveness through him!

References: Bible (Taurat, Zabur, Injil): Romans 3:21-26; Psalm 118:1; Genesis 3, 6-8, 22; Koran: 37:107; Bible: Exodus 20,24; Deuteronomy 29; Jeremiah 31:31; John 1:1,14 & 5:27; Isaiah 9:6,7 & 40:8 & 53:10-12; Romans 10:9,10; Hebrews 2:10, 4:16, 10:25; John 15; Matthew 28:18-20.

By AEM's **Palm Project**

Information: www.ChristianFromMuslim.com
(866) 533-6659

हम इसे हासिल करते हैं !

ख़ुदा के रहम के रास्ते को हासिल करने के लिए, अपने गुनाहों से तौबा करें और ख़ुदा पर एत्क़ाद रखें कि येसू के वसीले आप की जगह ली ।

आप की नई ज़िन्दगी ख़ुदा के साथ फिर से शुरू होती है - दुआ करें और रोज़ाना बाइबिल पढ़ें दीगर ईमादारों के साथ रिफ़ाक़त रखें जो येसू को अपना नाजतदहिंदा बतोर ईमान रखते हैं, हरेक के साथ महब्बत से पेश आयें और येसू के वसीले से मुआफ़ी की ख़ुशख़बरी की मनादी करें !

हवालाजात: बाइबिल (तौरात, ज़बूर, इनजील): रोमियों 3:21-26; ज़बूर 118:1; पैदाइश 3:6-8, 22, क़ुरान शरीफ़ 37:107; बाइबिल: ख़ुरूज 20:24; इस्तिसना 29; यिरम्याह 31:31; यूहन्ना 1:1,14 और 5:27; यसायाह 9:6,7 और 40:8 और 53:10-12; रोमियों 10:9,10; इबरानियों 2:10; 4:16; 10:25; यूहन्ना 15; मत्ती 28:18-20 ।

AEM's palm project

Information: www Christian From Muslim.Com

(866) 533 -6659

How to Enter Paradise -

If we think we can save ourselves with our own good works, we take from God's glory and make ourselves partners with him in our salvation.

No one goes to paradise apart from the mercy of God. God showed us through his prophets that his way is sacrifice– but he provides a substitute. In justice and mercy God made a way to bring us back to paradise. He came once to earth as the prophesied final perfect sacrifice, Jesus Christ.

We will all be judged. How did Abraham and his son receive the mercy of God? Through the lamb God provided. What would happen if they did not accept the lamb? The son would die. What will happen to us if we do not accept God's provision? We too will die.

हम कैसे जननत में दाख़िल हों -

अगर हम सोचते हैं हम अपने भले कामों के ज़रिये ख़ुद से बचाए जा सकते हम इसे ख़ुदा के जलाल से लेते और ख़ुद को अपनी नजात में उसके साथ शरीक करते हैं ।

बगैर ख़ुदा के रहम के कोई भी जननत में दाख़िल नहीं हो सकता । ख़ुदा ने अपने नबियों के ज़रिये हमें बताया कि उसकी राहें क़ुरबानी के हैं - मगर वह हमारे लिए एक बदल का इंतज़ाम करता है । इन्साफ़ और रहम में होकर ख़ुदा ने एक रास्ता तययार किया कि हमको वापस जन्नत ले जाए । वह एक ही बार ज़मीन पर आया जिसतरह से नबूवत की गयी थी कि वह आखरी कामिल क़ुरबानी बतोर ज़मीन पर आया जिसका नाम येसू मसीह है ।

हम सब के सब इन्साफ़ किये जाएंगे । किसतरह इब्राहीम और उसके बेटे ने ख़ुदा के रहम को हासिल किया था ? बर्रे के ज़रिये ख़ुदा ने क़ुरबानी मुहय्या की थी । क्या होता अगर वह बर्रे को कबूल न करते ? बेटा मर जाता । हम पर क्या बीतेगी ख़ुदा की मुहयया की हुई क़ुरबानी को क़बूल नहीं करेंगे ? हम भी मर जाएंगे ।

Why Would God...

become a man and die as a sacrifice? ***Because of God's character.*** Only God is perfect. His **perfection** demands that we be perfect too. God is glad if we are good; but we will never be perfect. Like with a child who offers five cents to pay for a broken window - the father appreciates it, but knows that he himself will have to pay, he is responsible.

God's perfection also demands that he fix the ugly world in the midst of his beautiful universe. Jesus' death was the way that God identified with and took responsibility for all the suffering of the world. God understands how we suffer because his

Word became flesh and lived with us.

ख़ुदा क्यूँ ----

एक इनसान बनता है और एक क़ुरबानी की मौत मरता है ? **ख़ुदा की सिफ़त के सबब से ।** सिरफ़ ख़ुदा ही कामिल है । उसकी **कमिलियत** हम से तक़ाज़ा करती है कि हम भी कामिल हों । ख़ुदा ख़ुश होता अगर हम भले होते; और कभी भी कामिल न होते । उस एक बच्चे के तरह जो उससे एक कांच की खिड़की टूटने पर पांच रूपये देने को तययार है -बप इसकी क़दर करता है, मगर वह यह भी जानता है उसे ख़ुद इसका भुगतन करना होगा । वह इसका ज़िम्मेवार है ।

ख़ुदा की कमिलियत भी तक़ाज़ा करती है कि अपनी खूबसूरत कायनात में एक बदसूरत दुनिया को रखता है । येसू की मौत एक तरीक़ा थी जिसे ख़ुदा ने उसके साथ पहचाना और दुनिया के तमाम दुखों के लिए ज़िम्मेदारी ली । ख़ुदा जानता और समझता है कि हम किसतरह दुःख उठाते हैं । क्यूंकि उसका

उसका कलाम मुजस्सम हुआ और हमारे साथ रहने लगा ।

Why Blood Sacrifice?

Understanding Allah's character explains his actions and his way. His attributes are balanced.

His Justice equals his mercy in strength.

God's **mercy** presses him to find a way to forgive us and restore us to relationship with him. His mercy is great but can not overpower his **justice**. He can't just forgive and forget. God's character requires justice: death for sin.

How can he be both merciful and just at the same time? By providing a substitute sacrifice. What is the proof? He showed us this way with his prophets: Adam, Noah, Abraham, Moses and the Jews made blood sacrifices. Prophet Noah, besides pairs of animals, took seven of the sacrificial types of animals onto the ark, and sacrificed when he came off.

Prophet Yahiya (John the Baptist) recognized Jesus as the final sacrifice, *"the Lamb of God who takes away the sin of the world."*

ख़ून की क़ुरबानी क्यूँ?

अल्लाह की सिफ़त को समझते हुए उसकी सरगरमियाँ और उसकी रा हैं, उसकी ख़ुसूसियतें तवाज़ुन क़ायम की हुई हैं ।

उसका इन्साफ़ क़ुव्वत में उसके रहम को बराबर करता है ।

ख़ुदा का रहम उसको मजबूर करता है कि वह हमें मुआफ़ करे और उसके रिश्ते में होकर उसके साथ हमको बहाल करे । उसका रहम तो बहुत बड़ा है मगर वह अपने इन्साफ़ की ताक़त पर हावी नहीं हो सकता । वह सिरफ़ मुआफ़ कर सकता है और भूल सकता है । ख़ुदा की सिफ़त इन्साफ़ का तक़ाज़ा करती है: गुनाह के लिए मौत ।

वह किसतरह एक ही वक़त में रहमदिल और मुनसिफ़ हो सकता है? एक बदल की क़ुरबानी क इंतजाम करते हुए क्या सबूत है कि इस तरीक़े से हमको दिखाया हो कि उसके नबियों के साथ: आदम, नूह, इब्राहीम, मूसा और यहूदियों ने जो ख़ून की क़ुरबानियाँ पेश की थीं । अगर नबी हज़रत नूह की बात की जाये तो उनहोंने सैलाब ख़तम होने के बाद कश्ती से बाहर आकर सात तरह की क़ुरबानी को अनजाम देते हैं । नबी हज़रत यहया (यूहन्ना इसतिबाग़ी) येसू को आख़री क़ुरबानी बतोर पहचान जाता है, इस बतोर कि *"ख़ुदा का बररा जो दुनिया के गुनाह उठा ले जाता है"।*

Prophets Promise a Savior

Why is Prophet Jesus different than all the other prophets? Why is he the only one called the *Word of God*, and by some the *Spirit of God*? Why is he the virgin-born, sinless one who will judge the world?

The sacrificial animal had to be perfect. Jesus is the ultimate pure sacrifice, the "Lamb of God". Prophet Isaiah predicted that this final sacrifice would be God himself. He would be born on earth and called, "Mighty God, Everlasting Father, Prince of Peace."

अंबिया एक नजातदहिन्दा का वायदा करते हैं

क्यूँ हज़रत ईसा दीगर तमाम नबियों से फ़रक़ हैं ? क्यूँ वही अकेले ***ख़ुदा का कलाम*** बतोर और दूसरों के ज़रिये ***ख़ुदा का रूह*** बतोर जाने जाते हैं ? क्यूँ वह कुंवारी से पैदा हुआ और बे गुनाह पैदा हुआ? और ऐसा क्यूँ एतक़ाद किया जाता है कि वही दुनिया का इन्साफ़ करेगा ?

क़ुरबानी के जानवरों को बे ऐब होना ज़रूरी था। येसू वह आख़री पाक क़ुरबानी है यानी "ख़ुदा का बर्रा" नबी हज़रत यसायाह ने पेशबीनी की कि यह आखरी क़ुरबानी ख़ुदा खुद होगा। वह ज़मीन पर पैदा होगा और वह "**खुदाए क़ादिर, अब्दिय्यत का बाप** और **सलामती का शहज़ादा**" कहलायेगा।

Old Covenant Ends

Prophet Moses warned the Jews that they must never leave God to follow other gods. This would break their covenant. They would be attacked and sent as slaves to other countries. Years later, the Jews turned to idol worship and this was fulfilled.

While the Jews were captives in Babylon, God sent other prophets with hopeful prophecies. They spoke of a *New Covenant* which would be for all people.

There would be a New Covenant
with a final sacrifice, the "Lamb of God".

पुराना अहद ख़तम होता है

नबी हज़रत मूसा ने यहूदियों को तंबीह दी कि दीगर देवताओं के पीछे चलने के लिए उन्हें ख़ुदा को कभी भी नहीं छोड़ना चाहिए । यह उनके अहद को तोड़ देगा । उनपर हमला किया जाएगा और उन्हें पराये मुल्क में गुलामों कि तरह भेजा जायेगा । बरसों बाद यहूदी मूरती पूजा करने लग गए और जो बात उनसे कही गयी थी वह पूरी हुई ।

जब यहूदी बाबुल में गुलाम होकर रह रहे थे ख़ुदा ने दीगर नबियों को उम्मीद भरी नबुवतों के साथ भेजा । उनहोंने एक नये अहद की बाबत बताया जो तमाम लोगों के लिए था ।

वहाँ एक नया अहद होगा

एक आखरी क़ुरबानी के साथ वह "ख़ुदा का बररा" होगा ।

Prophet Moses

God gave Prophet Moses The Ten Commandments and many other laws for the Jews. He promised to bless the Jews if they obeyed them. This agreement is called the Old Covenant. But the laws were so complicated that they could not be kept perfectly.

The Jews knew that because of God's justice they would be judged like Adam was judged. But as with Abraham and his son, God in his mercy made a way for them.

The Old Covenant included blood sacrifices for sin.
They show that sin merits death.

5

नबी हज़रत मूसा

ख़ुदा ने हज़रत मूसा को यहूदियों के लिए दस अहकाम और दीगर शरीयत के अहकाम दिए । उसने वायदा किया कि अगर यहूदी इन हुक्मों पर चलते हैं तो वह उनको बरकत देगा । इस राज़ीनामे को पुराना अहद कहा गया । मगर अहकाम इतने पेचीदा थे कि वह उन्हें कामिल तोर से अनजाम नहीं दे सकते थे ।

यहूदी जानते थे कि ख़ुदा के आदिल होने के सबब से अगर वह आदम की तरह इन्साफ़ किये जाते तो वह भी इन्साफ़ किये जाते । मगर जिसतरह हज़रत इब्राहीम और उसके बेटे के साथ हुआ, खुदा ने अपने रहम में होकर उनके लिए एक दूसरा ज़रीये की तजवीज़ की ।

पुराने अहद में गुनाहों के लिए ख़ून की क़ुरबानी शामिल थी वह बताते हैं कि गुनाह मौत पैदा करता है ।

God's Word is Preserved

The Prophet Isaiah also prophesied that it was *the Lord's will* that Messiah be *a guilt offering, justify many, and bear their iniquities.*

The Christians did not make up or add these words to the Bible. They were originally written 600 years before Jesus was born, and were preserved in the *Dead Sea Scrolls*. The scrolls were sealed in a cave in Palestine before Jesus' birth, until they were rediscovered in the 20th century.

God preserves his Word!

ख़ुदा का कलाम महफ़ूज़ है

नबी हज़रत यसायाह ने भी नबुवत की कि *"यह ख़ुदावन्द की मरज़ी थी कि मसीहा एक ख़ता की क़ुरबानी बने, बहुतों का इन्साफ़ करे, और उनके गुनाह उठा ले।*

मसीहियों ने इन अलफ़ाज़ को न तो तौरात से निकाला है और न ही बाइबिल में जोड़ा है। यह असलियत में येसू मसीह के पैदा होने के 600 साल पहले लिखे गए थे और इन तूमार को जो बहीरा-ए-मुरदार में पाए गए थे वैसे का वैसा ही तहफ़फ़ुज़ में रखा गया था। इन तूमारों में बाक़ायदा मुहर लगे हुए थे। और येसू की पैदाइश से पहले फ़लिस्तीन के ग़ार में पाए गये थे। इन्हें यूं ही महफ़ूज़ रखा गया जब तक कि यही मसोदा दोबारा बीसवीं सदी में खोज कर नीकाला न गया था।

ख़ुदा अपने कलाम की हिफाज़त करता है

Prophet Noah

By the time of Prophet Noah, people were choosing wrong continuously. This made God sad and angry. He judged the world and decided to destroy it by a flood.

But Prophet Noah listened to God's voice and went God's way. God told him to make a boat on dry land. Although people mocked him, he obeyed. Only the ones who believed God and followed his way onto the boat were saved. The others died in the flood.

Although people may mock us,
to escape judgment we must follow God's way.

नबी हज़रत नूह

नबी हज़रत नूह के दिनों में लोग लगातार गलत का चुनाव कर रहे थे । इस बात ने ख़ुदा को ग़म और गुस्सा दिलाया । उसने दुनिया का इनसाफ़ किया और सैलाब से उसको बरबाद करने का फ़ैसला किया ।

मगर नबी हज़रत नूह ने ख़ुदा की आवाज़ को सुना और ख़ुदा की राह पर चला । ख़ुदा ने उससे कहा कि सूखी ज़मीन पर एक बड़ी कश्ती बनाये । हालांकि लोगों ने उसका मज़ाक़ उड़ाया मगर उसने ख़ुदा के हुकम को पूरा किया । सिरफ़ वही लोग जो ख़ुदा पर ईमान लाये थे और उसकी राहों पर चले थे कश्ती के अनदर पाए गए और बचाए गए । दुसरे लोग सैलाब में बह गए और मर गये ।

हालांकि लोग हमारा मज़ाक़ उड़ाते हैं, मगर इन्साफ़ से बचने के लिए हमको ख़ुदा की राहों पर चलना चाहिए ।

God's Character

God is one. He is the Creator of everything.

God reveals himself to us through creation, and the words and lives of his prophets.

Through creation, we see that he is powerful, creative, and wise.

The Prophets told us more about God and his way. They told us that God is good! He is merciful and compassionate, perfect and just, loving and giving. Every good thing in your life is a gift from God.

Since there is one God, and he is good, we must find and follow his way.

ख़ुदा की सिफ़त

ख़ुदा एक है । वह हर चीज़ का खालिक़ है । ख़ुदा खुद को अपनी तख़लीक़ के हम पर इन्किशाफ़ करता है, अपने कलाम और अपने नबियों के ज़रिये से भी । तख़लीक़ के ज़रिये हम उसकी ज़ोरावरी, तख़लीक़ी और हिकमत को देखते है । नबियों ने हमको ख़ुदा की बाबत और उसकी राह की बाबत और ज़ियादा बातें कहीं । उनहोंने हम से कहा वह भला है, रहमदिल है, तरस खाने वाला, कामिल, मुन्सिफ़, महब्बती और देने वाला है । हर वह अच्छी चीज़ जो आपकी ज़िन्दगी में है वह ख़ुदा की तरफ़ से रहमत है ।

जबकि सिरफ़ एक ही ख़ुदा है और वह भला है हमको उसकी राहें खोजने और उनपर चलने की ज़रूरत है ।